Date
Page

दिनांक- 03/10/2020

विषय- संस्कृत, बी॰ए॰ स्नातक (प्रतिष्ठा)

तृतीय वर्ष, सप्तमपत्र } डॉ॰ ओम प्रकाश आर्य

काव्यदीपिका- द्वितीय शिखा (महाराजा कॉलेज, आरा

पदस्वरूप, शब्दविभाग, अर्थविभाग

पदस्वरूपम्

'सुप्तिङन्तं पदम्' प्राह पाणिनिर्मुनिसत्तमः ॥1॥

सुबन्तः तिङन्तश्च शब्दः पदम् । यथा- रामः, भवति इत्यादि ।

शब्दविभागः

शब्दः पुनस्त्रिविधः, यथाऽऽह मम्मटभट्टः 'स्याद्वाचको लाक्षणिकः शब्दोऽत्र व्यञ्जकस्त्रिधा'

अर्थविभागः

'वाच्यादयस्तदर्थाः स्युः' मम्मटेन यथोदिताः' ॥2॥

अर्थोऽपि शब्दप्रतिपाद्यस्त्रिविध एव, - वाच्यः, लक्ष्यः, व्यङ्ग्यश्च । वाचकादीनां क्रमेण स्वरूपमाहे -

'साक्षात्सङ्केतितं योऽर्थमभिधत्ते स वाचकः'

(मम्मटः)

साक्षात्सङ्केतिस्तु 'अस्मात् शब्दादयमर्थो बोद्धव्यः' इति शब्दस्य स्वाभाविक्या शक्त्या, व्याकरणादिना वा नियन्त्रितः । इयमेव शक्तिः, 'अभिधा' इत्युच्यते । अनया बोध्योऽर्थः वाच्यः, स च साक्षात् बोध्यत्वेन प्रधानतया मुख्यार्थः इत्यपि अभिधीयते । यथा- गोशब्दोऽभिधया

गलकम्बलादिमज्जीवविशेषरूपम्, पाचक-शब्दश्च पाककर्तृरूपं चार्थं साक्षात् बोधयति ।।

अर्थ-

श्री कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य द्वितीय शिखा में वाक्य के स्वरूप का वर्णन करने के पश्चात् पदस्वरूप, शब्द विभाग, अर्थविभाग आदि का वर्णन करते हुए कहते हैं- मुनियों में श्रेष्ठपाणिनि सुबन्त और तिङन्त को पद कहते हैं। अर्थात् सुबन्त और तिङन्त शब्द 'पद' है। जैसे- रामः, भवति आदि।

शब्द तीन प्रकार का होता है। जैसा कि मम्मट भट्ट कहते हैं- काव्य में शब्द तीन प्रकार का होता है वाचक, लाक्षणिक और व्यञ्जक।

जैसा कि मम्मट ने कहा - वाच्यादि शब्द के अर्थ हैं। शब्द के द्वारा प्रतिपाद्य अर्थ भी तीन प्रकार का होता है। वाच्य, लक्ष्य और व्यङ्ग्य। अब क्रमशः वाचक आदि शब्दों के स्वरूप के बारे में बताते हैं- 'साक्षात् सङ्केतित अर्थ को जो शब्द बताता है वह वाचक शब्द है। 'इस शब्द से इस अर्थ को समझना चाहिए' इस प्रकार शब्द की स्वाभाविक शक्ति से अथवा व्याकरणादि के द्वारा नियन्त्रित-निर्धारित अर्थ ही 'साक्षात्

Scanned with CamScanner

सङ्केतित' कहलाता है। इसी स्वाभाविक शक्ति को 'अभिधा' कहते हैं। इस (अभिधा) के द्वारा बोधित अर्थ को वाच्य कहते हैं। और वाच्य अर्थ ही शब्द से प्रथम उपस्थित होने के कारण प्रधान होने से 'मुख्यार्थ' भी कहलाता है। जैसे- 'गो' शब्द अभिधा से सास्नादियुक्त जीव विशेष को और 'पाचक' शब्द पाककर्तृरूप अर्थ को साक्षात् बताता है। इति।।

Scanned with CamScanner